

MAY 2016

P/ID 77916/MBS2H

---

Time : Three hours

Maximum : 100 marks

SECTION A — (10 × 3 = 30 marks)

किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

प्रत्येक उत्तर 50 शब्दों में हों।

1. बिसाखाराम की सबसे बड़ी चिंता क्या थी?
2. 'दस हजार' एकांकी के उद्देश्य को लिखिए।
3. 'बलहीन' शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।
4. देवकुमार में मानसिक परिवर्तन कैसे आया?
5. कर्नल होम्स का परिचय दीजिए।
6. राय साहब सीताराम का परिचय दीजिए।
7. संघमित्रा का परिचय दीजिए।
8. सम्राट अशोक में परिवर्तन कैसे आया?

9. रहमान ने कर्ज क्यों लिया?
10. मनोहर का परिचय दीजिए।
11. 'ताई' कहानी का क्या संदेश है?
12. 'आदमी का बच्चा' कहानी की मामा का परिचय दीजिए।

SECTION B — (5 × 6 = 30 marks)

किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(4 × 6 = 24)

13. मैं क्या सुन्दर का बाप नहीं हूँ? तुम्हीं बताओ। लड़के बिना तो घर सूना-सूना लगे हैं। पर, दस हजार?
14. पुलिस भी क्या करेगी सेठ जी, पुलिस भी तो डरे हैं। और उसे क्या मालूम नहीं है, पर वह करे तब तो !
15. हिन्दी के नये लेखक और कवि अपनी नई पुस्तकों में अपनी बीमारियों को इतना अधिक भर रहे हैं कि कोई भी उन्हें पढ़कर बीमार पढ़ जायेगा।
16. जीवन का भार जिनसे नहीं चलता, वे उस विडम्बना में फँस जाते हैं, जिसे वे अध्यात्म कहते हैं।

17. तुम जानती हो हमारे आने के पहले यहाँ क्या हाल था? मुसलमान, मराठे, राजपूत, ठग, पिंडारी वगैरा ने लड़ाई, ठगी, डकैती से मुल्क बरबाद कर रखा है।
18. जो कुछ तुम आज कर रहे हो, एक दिन उसके लिए रक्त के आँसुओं से तर्पण करोगे।

किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए।

(1 × 6 = 6)

19. (a) दाऊदयाल का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

- (b) बरोमश्वरी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

SECTION C — (4 × 10 = 40 marks)

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक उत्तर 500 शब्दों में हों।

20. एकांकी तत्त्वों के आधार पर 'बलहीन' एकांकी का मूल्यांकन कीजिए।
21. एकांकी तत्त्वों के आधार पर 'यह मेरी जन्म भूमि है' एकांकी की समीक्षा कीजिए।
22. बिसाखाराम का चरित्र-चित्रण कीजिए।

23. कहानी तत्वों के, आधार पर 'ताई' कहानी का मूल्यांकन कीजिए।
24. 'आदमी का बच्चा' कहानी का सारांश लिखिए।
25. हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

A poor woman once came to Buddha to ask him whether he could give her medicine to restore her dead child to life. The holy man touched by the great sorrow of the woman, told her that there was only one-medicine which could revive her son. He bade her to bring him a haud full of mustard seeds from a house where death has never entered. The sorrowing mother went door to door seeking the mustered seeds, but at every door she met with sad replies. One said "I have lost my husband" another said, our youngest child died last year". She returned with a heavy heart to the teacher. He told her tenderly that she must not think much of her grief, since sorrow and death common to all.

---